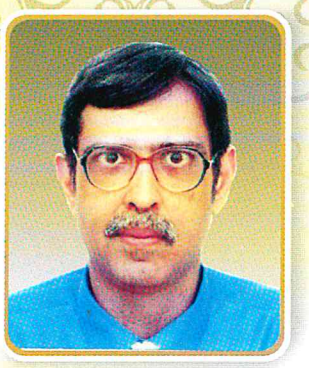


Prof. (Dr.) Nikhil Tandon

Dr. Nikhil Tandon is Professor and Head of the Department of Endocrinology and Metabolism, All India Institute of Medical Sciences, New Delhi. He is recognized nationally and internationally as an outstanding physician and research scientist in the field of Diabetes and Endocrinology.

2. Born on November 28, 1963, Dr. Tandon received his undergraduate (1981-1986) and postgraduate (1987-1989) medical education at the All India Institute of Medical Sciences, New Delhi. His exemplary academic record as an undergraduate led to him being awarded the Institute Medal for being the Best Graduate of his batch. He then went to become the first Indian clinician to be awarded PhD from the Faculty of Medicine, University of Cambridge, UK, in 1993.

3. Dr. Tandon joined his alma mater, All India Institute of Medical Sciences, as a faculty member in the Department of Endocrinology and Metabolism and became one of the youngest Professors at AIIMS and more recently has become Head of his Department- making him presently the youngest Head of Department at AIIMS.

4. Dr. Tandon is a committed clinician, providing compassionate and quality care to his patients. His efforts have helped develop the speciality of Endocrinology nationwide by training a large number of young physicians in this field. His research encompasses epidemiological, genetic and translational aspects of nationally relevant diseases e.g. diabetes, obesity, iodine deficiency disorders and metabolic bone diseases including Vitamin D deficiency and osteoporosis. This research has provided new information of burden, risk factors and clinical spectrum of these diseases in India, which is critical to plan preventive and therapeutic strategies at the individual and health system level. More recently he has provided leadership in establishing technology-assisted innovative strategies of health care delivery to facilitate clinical management. In view of these contributions, his technical advice is sought by government departments and agencies, to help plan national health programmes and policies, especially those pertaining to non-communicable diseases.

5. In recognition of his contributions, he has been elected as a Fellow of National Academy of Medical Sciences; National Academy of Sciences, India; Indian Academy of Sciences; and the Royal College of Physicians (London). His contribution as a teacher was also recognized by awarding the Dr. B.C. Roy Award for being an Eminent Medical Teacher by the Medical Council of India. He is presently the President of the Endocrine Society of India and President of the Indian Society for Bone and Mineral Research.



प्रो. (डॉ.) निखिल टंडन

डॉ. निखिल टंडन अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, दिल्ली के इंडोक्राइनोलॉजी एवं मेटाबोलिज़्म विभाग के प्रोफेसर और अध्यक्ष हैं। राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर आपको मधुमेह तथा इंडोक्राइनोलॉजी के क्षेत्र में एक उत्कृष्ट चिकित्सक और शोध वैज्ञानिक के रूप में जाना जाता है।

2. आपका जन्म नवम्बर 28, 1963 को हुआ। आपने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली से अपनी पूर्व-स्नातक (1981-1986) तथा स्नातकोत्तर (1987-1989) चिकित्सा संबंधी शिक्षा ग्रहण की। पूर्वस्नातक छात्र के रूप में आपके बेहद अनुकरणीय शैक्षणिक रिकार्ड को देखते हुए आपको अपने बैच का सर्वश्रेष्ठ स्नातक होने के नाते संस्थान पदक प्रदान किया। तत्पश्चात वर्ष 1993 में चिकित्सा संकाय, कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय, यू.के. से पीएच.डी की डिग्री प्राप्त करने वाले पहले भारतीय चिकित्सक बने।

3. आप अपने कॉलिज अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान वापस लौटे तथा इंडोक्राइनोलॉजी एवं मेटाबोलिज्म विभाग के संकाय सदस्य बने और एम्स के सर्वाधिक युवा प्रोफेसरों में शुमार हुए तथा हाल ही में आप इस विभाग के अध्यक्ष बनाए गए हैं, जिससे वर्तमान में आप एम्स के सबसे कम आयु के विभागाध्यक्ष हो गए हैं।

4. आप एक समर्पित चिकित्सक हैं, जो अपने रोगियों को सहानुभूतिपूर्ण तथा उत्कृष्ट चिकित्सा मुहैया कराते हैं। आपके प्रयासों से इस क्षेत्र में बड़ी संख्या में युवा चिकित्सकों के प्रशिक्षण द्वारा देश भर में इंडोक्राइनोलॉजी की विशेषज्ञता विकसित करने में सहायता मिली है। आपका शोध, विटामिन डी की कमी और ऑस्टियोपोरोसिस सहित राष्ट्रव्यापी संगत रोगों अर्थात मधुमेह, मोटापा, आयोडीन की कमी संबंधी गड़बड़ियां तथा मेटाबोलिक अस्थि रोग के महामारी-विज्ञान, आनुवंशिकी तथा स्थानांतरीय पहलुओं पर केन्द्रित रहा है। इस शोध से भारत में इन रोगों की भयावता, जोखिम कारकों तथा चिकित्सकीय विकल्पों के बारे में नई-नई सूचना उपलब्ध हो सकी है जो व्यक्तिगत रूप से तथा स्वास्थ्य प्रणाली स्तर पर भी निवारक और चिकित्सा संबंधी रणनीतियां तैयार करने की दिशा में बेहद महत्वपूर्ण हैं। अभी हाल में आपने चिकित्सा प्रबंधन में सुगमता हेतु चिकित्सकीय देखभाल प्रदायगी में प्रौद्योगिकी आधारित नवोन्मेषी रणनीतियां बनाने में आगे बढ़कर नेतृत्व किया है। आपके इन्हीं योगदानों के कारण सरकारी विभाग और एजेंसियां राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम और नीतियां निर्धारित करने, विशेषकर गैर-संक्रामक रोगों के संबंध में आपसे तकनीकी सलाह प्राप्त करती हैं।

5. आपके योगदानों की मान्यतास्वरुप आपको राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी; भारतीय विज्ञान अकादमी, भारत; तथा रायल कॉलिज ऑफ फिजिशियन्स (लंदन) का फैलो चुना गया है। एक शिक्षक के रूप में आपके योगदान के लिए भारतीय चिकित्सा परिषद ने आपको प्रतिष्ठित चिकित्सा शिक्षक के तौर पर डॉ. बी.सी. राय पुरस्कार से सम्मानित किया है। सम्प्रति, आप इंडोक्राइन सोसायटी ऑफ इंडिया तथा इंडियन सोसायटी फॉर बोन एंड मिनीरल रिसर्च के अध्यक्ष हैं।